e-Governance
Good Governance
Smart Governance

ई-गवर्नेंस
• का परिचय •

ई-गवर्नेंस तकनीक के उपयोग से शासन की प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक-केन्द्रित बनाने का माध्यम है।

www.championsbooks.shop

परिभाषा :- *ई-गवर्नेंस (E-Governance) का अर्थ है शासन की सेवाओं और सूचनाओं को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के माध्यम से नागरिकों तक पहुँचाना। इसका उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही, कुशलता और नागरिक संतुष्टि को बढ़ाना है।*

मुख्य बिंदु

- ई-गवर्नेंस का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करना है।
- यह समय, धन और मानव संसाधनों की बचत करता है।
- इससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।
- यह भ्रष्टाचार में कमी लाने में सहायक है।
- नागरिक घर बैठे ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।
- ई-गवर्नेंस सुशासन (Good Governance) को बढ़ावा देता है।
- यह डिजिटल इंडिया के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है।

ई-गवर्निंस के प्रमुख प्रकार

1. G2C (Government to Citizen) सरकार से नागरिक
2. G2B (Government to Business) सरकार से व्यवसाय
3. G2G (Government to Government) सरकार से सरकार
4. G2E (Government to Employee) सरकार से कर्मचारी

ई-गवर्निंस के प्रमुख उद्देश्य

- नागरिकों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करना।
- सरकारी प्रक्रियाओं को सरल और तेज बनाना।
- सरकारी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना।
- सूचना तक आसान और त्वरित पहुँच सुनिश्चित करना।
- कागजी कार्यवाही को कम करके डिजिटल रिकॉर्ड रखना।
- सभी के लिए समावेशी और सुलभ सेवाएँ उपलब्ध कराना।

ई-गवर्निंस के प्रमुख घटक

- हार्डवेयर (Hardware)
- सॉफ्टवेयर (Software)
- डाटा प्रबंधन (Database)
- नेटवर्क एवं इंटरनेट (Network & Internet)
- मानव संसाधन (Human Resource)
- कानूनी एवं नीतिगत ढाँचा (Legal & Policy Framework)

ई-गवर्निंस के लाभ

- सेवाओं की आसान और त्वरित उपलब्धता।
- समय और लागत की बचत।
- पारदर्शिता और भ्रष्टाचार में कमी।
- नागरिकों की भागीदारी और संतुष्टि में वृद्धि।
- डेटा का बेहतर प्रबंधन और विश्लेषण।
- सभी क्षेत्रों के संतुलित विकास में सहायक।

ई-गवर्निंस के उदाहरण

- आधार (Aadhaar)
- पासपोर्ट सेवा (Passport Seva)
- डिजिलॉकर (DigiLocker)
- UMANG ऐप
- आयकर ई-फाइलिंग (Income Tax e-Filing)
- माई गव (MyGov) पोर्टल
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM)

ई-गवर्निंस की चुनौतियाँ

- डिजिटल साक्षरता की कमी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की सीमित पहुँच।
- साइबर सुरक्षा एवं डेटा गोपनीयता की चिंता।
- तकनीक की उच्च लागत।
- विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की कमी।

> "ई-गवर्नेंस सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो तकनीक के माध्यम से नागरिकों तक सरकार को पहुँचाता है।"